सामाने बख्शिश

तस्नीफ़

हुजूर मुफ़्तीए आज़म हिन्द नूरी

अलैहिर्रहमा वर्रिज़वान

हिन्दी तर्जमा : मौलाना मुहम्मद शफीकुल हक़ रज़वी

क़ादरी किताब घर, बरेली

Scanned with CamScanner

بسم الله الرحمن الرحيم

नअ़तिया कलाम का दिलकश मजमूआ

सामाने बख़्शिश

1354हिजरी

तस्नीफ़

ताजदारे अहले सुन्नत शहज़ादए आ़ला हज़रत

हुज़ूर मुफ़्तीए आ़ज़म हिन्द नूरी

अलैहिर्रहमा वर्रिज़वान

हिन्दी तर्जमा

मौलाना मुहम्मद शफ़ीकुल हक़ रज़वी

नाशिर

क़ादरी किताब घर इस्लामियाँ मार्किट बरेली शरीफ़

Mo.9412536097,9359936126

Scanned with CamScanner

©

All rights are reserved

जुमला हुकूक़ बहक़्क़े नाशिर महफ़ूज़

नाम किताब :– सामाने बख़्शिश 1354 ई वी

मुसन्निफ़ :– मुफ़्तीए आज़म हिन्द नूरी कुदिदसा सिर्रुहू

तसही :– निकहत ज़ेबा (M.Sc.)

मुआविन :– आलेमा निशात फ़ातमा

हिन्दी तर्जमा :–मौलाना मुहम्मद शफ़ीकुल हक़ रज़वी

मुबाइल न0 :–09997662550

तादाद :–1100

क़ीमत :–

नाशिर :–क़ादरी किताब घर

सफ़हात:– 192

सने इशाअत :–2016

Publisher

QADREE KITAB GHAR

35,Islamia Market,Bareilly U.P.243003

Mo.9412536097,9359936126

Scanned with CamScanner

फ़ेहरिस्त मज़ामीन

	उनवान	स़ न.
1	हुज़ूर मुफ़्तीए आज़म हिन्द एक नज़र में	6
2	जर्बे हू	16
3	हम्दे बारी तआ़ला	22
4	सना जिसकी सनाए किबरिया है	47
5	नअ़्ते शहह वाला	48
6	मख़ज़ने अनवार	51
7	खारी कूँऐं शीरीं हुए	54
8	रूए अनवर यार का	55
9	तुम जाने मसीहा हो	60
10	कैसी पुरनूर है जन्नत	65
11	चमकती सी ग़ज़ल	66
12	जाने ईमान है मुहब्बत तेरी	69
13	ख़ुर्शीददे रिसालत	70
14	शाने करम	72
15	जलवा माहे अ़रब	74
16	जलवा है जलवा आपका	76
17	बहारे गुलशन	78
18	स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु	81

Scanned with CamScanner

	उनवान	स़ न.
19	जारी रहेगा सिक्का तेरा	91
20	सायए ख़ैरूल वरा मिलता नहीं	95
21	मौसमे बहार आया	100
22	ह़क़ से मिलाने आये हैं	102
23	गुन्चे खिलाने आये हैं	104
24	शराबे त़हूर आँखों में	106
25	देखने की है सारी बहार आँखों में	108
26	मुझे अपनी रह़मत से तू अपना करले	112
27	मुझे तैबा बुला तो	114
28	बहारे जाविदाँ तुम हो	116
29	करते हैं बख़्शिशे उम्मत	119
30	ख़त्मुल अम्बिया तुम हो	121
31	तू शमअ़े रिसालत है	124
32	मत़लए अनवार हो जाए	127
33	उनका इरशाद है इरशादे ख़ुदा	129
34	कलामे बलाग़त निज़ाम	132
35	वह हसीं क्या जो फ़ितने उठाकर चले	132
36	चलो हमेशा की ले लो बक़ा मदीने से	135

Scanned with CamScanner

	उनवान	स़ न.
37	जिधर निगाहे करम हो ख़ुदा उधर हो जाए	138
38	शरबते दीद मेरी दवाई है	140
39	मैंने मर के ह़यात पाई है	143
40	जहाँ से फ़ैज़ का दरिया बहा है	146
41	ख़ुदा भाती तेरी हर–हर अदा है	156
42	यह फ़ल फूल लगना तुम्हारी अ़ता है	164
43	आईनए ह़क़ नुमा	169
44	तेरे घर से दुनिया पली ग़ौसे आ़ज़म	172
45	करो हम पे यासीन दम ग़ौसे आ़ज़म	174
46	मनक़बत (ह़ज़रत स़ाबिर पिया)	179
47	मनक़बत(हुज़ूर आ़ला ह़ज़रत)	180
48	पैकरे हुस्ने तमाम(सलाम)	181
49	तुम पर लाखों सलाम	183

Scanned with CamScanner

हुज़ूर मुफ़्तीए आज़म हिन्द

अलैहिर्रहमा वर्रिज़वान

एक नज़र में

मर्तबा :-हज़रत मौलाना मुहम्मद अनवर अ़ली रज़वी नानपारवी मुदर्रिस अलजामिअ़तुलइस्लामियाँ रामपुर यू पी

विलायत :- 22 ज़िलहिज्जा1310 हिजरी मुताबिक़ 1892 ई बरोज़ दो शम्बा

वतने मालूफ़ :- महल्ला सौदागिरान बरेली शरीफ़

इस्मे गिरामी :- तारीख़ी पैदाइशी नाम मुहम्मद है और बहस्बे ख़्वाब आल रहमान और बहुक्मे मुरशिद अबुलबरकात मुहियुद्दीन जीलानी,उ़र्फ़ मुस्तफ़ा रज़ा हुआ।

अलक़ाब व तख़ल्लुस़ :- मुफ़्तीए आ़ज़म हिन्द, मुफ़्ती आ़लिम, मुत्तक़ी आ़ज़म,ताजदारे अहले सुन्नत,शहिन्शाहे मज़हरे आज़म,पर तो आ़ला जैसे आप को अलकाब मिले और तख़ल्लुस़ नूरी था।

हसब व नसब :- नसबन पठान मसलकन ह़न्फ़ी और मशरबन क़ादरी थे।

Scanned with CamScanner

बैत व ख़िलाफ़ :–शैख़ कामिल सय्यदिना शाह अबुलहुसैन अहमद नूरी मारहरवी रज़ियल्लाहु तआ़ला अ़न्हु 1311 हिजरी को सिर्फ़ छः माह की उ़मर में दाख़िले सिलसिला फ़रमाया और तमाम सलासिल की ख़िलाफ़त भी अ़ता फरमाई,और आ़ला हज़रत फ़ाज़िले बरेलवी से भी आप को इजाज़त व ख़िलाफ़त हासिल था।

तस्मिया ख़्वानी :–1314 हिजरी में हुई

सिलसिलाए तालीम :–जब सुख़न आमूज़ी की मन्ज़िल उबूर कर चुके तो आप को मरकज अहले सुन्नत दारूलउ़लूम मनज़रे इस्लाम में दाख़िल कर दिया गया।

ख़त्मे कुरआन पाक :- आप के बरादरे अकबर हुज्जतुलइस्लाम मौलाना हामिद रज़ा ख़ाँ साहब अ़लैहिर्रहमा ने सिर्फ़ तीन साल में तिलावत कुरआन मुकम्मल करा दी।

दरसियात:–उस्ताज़ुलअसातिज़ा हज़रत मौलाना रहम इलाही साहब मंगलौरी व हज़रत मौलाना बशीर

Scanned with CamScanner

अहमद साहब अलीगढ़ वग़ैरा हम से बा क़ाइदा दरसियात की तक्मील फ़रमाई।

फ़राग़त :–18 साल की उमर में आप ने जुमला उलूम अक़लिया व फुनूने नक़लिया पर उबूर हासिल कर लिया।

ऐलाने विलायत :–1319 हिजरी बज़बाने आला हज़रत फ़ाज़िले बरेलवी कुद्दिसा सिर्रुहु।

दर्स व तदरीस :– फ़राग़ते तालीम के बाद आप फ़राग़ते तालीम के बाद आप दारूलउलूम मनज़रे इस्लाम में मस्नदे तदरीस पर फ़ायज़ हुये।

पहला फ़तवा :– 1328 हिजरी मुताबिक़ 1910 ई.बउमर 18 साल आप ने सब से पहला फ़तवा मसअला रज़ाअत का तहरीर फ़रमाया।

फ़तवा नवैसी :– 27 साल तक मुसलसल बे लौस फ़तवा नवैसी का काम अंजाम दिया।

तारीख़ी फ़तवा :– आप का तारीख़ी फ़तवा रूयते हिलाल से मुतअल्लिक़ एक ख़ास अहमियत रखता है।

Scanned with CamScanner

फ़तावा जात :- मुख़्तलिफ़ मसाइल पर एक लाख से ज़ाइद मुहक़्क़ाना फ़तावा आप के क़ल्म से सादिर हुये।

अक़्दे मस्नून :- हज़रत मौलाना मुहम्मद रज़ा खाँ साहब बरादरे ख़ुर्द हुज़ूर आला हज़रत कुद्दिसा सिर्रुहुमा की इकलौती साहिबज़ादी के साथ हुआ जो 16/जमादिलउख़रा 1405ई. को विसाल फ़रमा गयें अलैहिर्रहमा।

औलाद :- एक साहबज़ादे हज़रत मुहम्मद अनवररज़ा अलैहिर्रहमा(जो पाँच साल की उमर में विसाल फ़रमा गये थे)और दस साहबज़ादियाँ हुयीं चार विसाल फ़रमा गयीं और छः बक़ैद हयात हैं।

तलामिज़ा :- आप के चन्द तलामिज़ा आज भी बाहयात हैं और बर्रे सग़ीर हिन्दूपाक में दीन मतीन की ख़िदमात अन्जाम दे रहे हैं।

पहला हज :-1323 हिजरी /1905 ई हमराह वालिद माजिद कुद्दिसा सिर्रुहु।

दूसरा हज :-1364 हिजरी/1945 ई में अदा किया इस

सन तक फ़ोटो की कै़द नहीं थी।

तीसरा हज :-1391 ई/1971 ई में मअ़अहलिया मोहतरमा अ़लैहुमर्रहमा बग़ैर फ़ोटो अदा किया जो एक तारीख़ी ह़ज था।

इल्म व फ़ज़्ल :- मुफ़्ती आज़म इल्मे ज़ाहिरी व बातिन के दरियाए ज़ुख़ार थे ज़ुज़ियात पर काफ़ी उ़बूर था और फ़तावा नवैसी उन का आबाई वरसा,मुख़्तस़र यह कि वह मजमाउ़लबहरैन थे और इ़ल्म व इरफ़ान के संगम।

शुबाहत :-सरकारे मुफ़्ती-ए-आ़ज़म हिन्द सूरतन अपने वालिद माजिद फ़ाज़िले बरेलवी कुद्दिदसा सिरुहु के बहुत मुशाबा थे और सीरतन भी उन को देखो तो आ़ला ह़ज़रत को देखो,उन के तक़वा व त़हारत व तक़दीस में जलवए ग़ौसे आ़ज़म नज़र आता था।

नक़्शे सरापा :- क़दमियाना,चेहरा गोल पर नूर,आँखें बड़ी बड़ी काली चमकदार,भूवें गुन्जान,पलकें घनी सफ़ेद हाला नुमा,रंगत सुर्ख़ी माइल सफ़ेद गन्दमी, पतले लब, छोटे दांत,नाक मुतवस्सित क़द्रे उठी

हुई,कान मुतनासिब क़द्रे दराज़,रुख़सार भरे गुदाज़ रौशन, सर बड़ा गोल,पेशानी कुशादा बुलन्द,दाढ़ी घनी सफ़ेद मोंछ न बहुत पस्त न उठी हुई,गर्दन मोअ़तदिल,सीना फ़राख़,हाथ लम्बे गंलियाँ मौज़ों, हथलियाँ भरी गदाज़,कलाइयाँ चोड़ी, पाँव मुतवस्सित ऐड़िया गोल,नहीफ़,बदन।

दौराए तब्लीग़ :– हुज़ूर मुफ़्तीए आ़ज़म हिन्द कुदिदसा सिरुोहु ने मदधपरदेश,जबलपुर,अजमीर मुक़द्दस रतलाम,जादरा,इन्दौर, नागपूर,टेकम गढ़,बम्बई, देहली कानपूर लखनऊ,भवाली,नैनीताल, अहमदआबाद गुजरात और यूपी,बिहार,बंगाल वगै़रा अकसर मक़ामात का दौरा फ़रमाया।

ख़िदमते ख़ल्क़ :–बिला तफ़रीक़ मज़हब व मिल्लत बे लौस लाखों तअ़वीज़ लिख कर ख़िदमत ख़ल्क़ करते रहे।

रुशद व हिदायत :–आप के दस्त हक परस्त पर सैंकडो गै़र मुस्लिम मुशर्रफ़ बा इस्लाम हुये और हज़ारों बद अक़ीदा दौलत ईमान से माला माल हुये नीज़ 1923

ई में मथरा ज़िला में फ़ितनाए इरतेदाद को रोका अगरा में अरिया का मुक़ाबिला किया। और 1334 हिजरी 1942 ई में सरधान्द काउट कर मुक़ाबिला किया। 1336 हिजरी 1942 ई में आल इन्डिया सुन्नी कान्फ्रेन्स(बनारस) में भी तारीख़ साज किरदार अन्जाम दिया।

शाने तवाज़ेअ् :- दस्तख़त में हमेशा फ़क़री मुस्तफ़ा रज़ा क़ादरी गुफ़िरालुह लिखते खान नहीं।

कशफ़ व करामत :- आप की बे शुमार करामतें हैं सब से बड़ी करामत कुरआन पाक व सुन्नत रसूल की पैरवी है।

तादादे मुरीदीन :- हिन्दूपाक के एलावा हिजाज़ मुक़द्दस मिस्र, ऐराक़,उंगलिस्तान, अफ़रीक़ा, अमरीका, तुर्किस्तान, अफ़गानिस्तान वग़ैरा के बड़े बड़े उ़लमा,मशाइख़ भी आप के मुरीदीन में शामिल हैं मुरीदीन की तादाद एक करोड़ से भी ज़ाइद है जो नूरी रजिस्टर से ज़ाहिर है।

ख़ुलफ़ा :- आप के ख़ुलफ़ा की तादाद इतनी है

जितनी कि दूसरे बड़े बड़े पीरों के मुरीदों की तादाद नहीं होती है।आप की नअ़तिया शाइरी भी ख़ान्दानी वरासत है जो अख़लास़ व मोह़ब्बत और इश्क़े रसूल में डूबी हुई है आप का मुकम्मल दीवान''सामाने बख़्शिश''के नाम से मक़बूल ख़ास़ व आ़म है।

तस्नीफ़ात :- तक़रीबन पचास से ज़ाइद मुख़्तलिफ़ मौज़ूआ़त पर आप की तस्नीफ़ात का एक गिराँ क़द्र ज़ख़ीरा मौजूद है उन में फ़तावा मुस्तफ़विया मुकम्मलदेखने से तअ़ल्लुक़ रखती है।

यादगारः- दारूल उ़लूम मज़हरे इस्लाम और मनज़रे इस्लाम नीज़ एक मदर्सा वाक़ेअ़ सिटी वग़ैरा की कार कुर्दगी आप़ की ज़िन्दा याद गार है।

ख़ुसूसियात :- आप ने हमेशा सय्यद का ऐह़तिराम किया,औ़रतों को कभी बे पर्दा न देखा,न मुरीद किया। बे शरअ़ को सख़्त फ़ज़ीह़त,नसीह़त करते,ता हयात नमाज का बेहद खयाल रखा कि ट्रेन व बस छोड़ दी और नमाज़ अदा फ़रमाई। हर नमाज़ मस्जिद में बा जमाअ़त अदा की,नमाज़ तहज्जुद में

रिजालुग़ैब की इमामत फ़रमाई,सरदी में भी वज़ू किया,खड़े हो कर नमाज़ पढ़ी,तक़वा ला जवाब फ़तवा था। आप बे मिसाल मेहमान नवाज़ी फ़रमाते ग़र्ज़ यह कि वह पैदायशी वली कामिल थे।

लिबास :- अमामा ज़्यादा तर सफ़ैद बादामी,कुर्ता कलीदार, पाइजामा अली गढ़,जुब्बा व सदरी टोपी दो पल्ली कढ़ी हुई,जूता नागरा,छडी सींग की या लकड़ी की।

गिज़ा :- चपाती, शौरबा,फ़ीरीनी,राइता,लहसन की चटनी, कढ़ी, चाये ज़्यादा गरम मीठी और पानी ख़ुब ठन्डा इस्तेमाल फ़रमाते थे।

जलाले हक़ :-उनकी बे मिसाल परहेज़गारी और हक़ गोई का ऐसा रोअब व जलाल था कि हुकूमत हिन्द व सऊदी अरब हमेशा घबराती रही,क़ानूने जहाँ बदलते रहे बातिल सरनेगूँ रहा।

विसाल :-बउमर 92 साल1402हिजरी 12/नवम्मबर 1981 ई शब पंजशुम्बा एक बजकर चालीस मिन्ट पर हुआ।

Scanned with CamScanner

विसाल :- शैख़ुलमशाइख़ और अ़ज़ीमुश्शान से सन्ने विलादत व रहलत निकली है। 1981 ई 1402 हिजरी।

ऐअ़तिज़ार

राक़िमुल हुरूफ़ को जो कुतुब व रसाइल मयस्सर हो सकें उन्हीं से मज़मून में मदद ली गई अगर किसी को उसके बर ख़िलाफ़ मालूम हो तो मअ़ ह़वाला मुत़लअ़ फ़रमायें।

Scanned with CamScanner

ज़रबे हू

(तौहीदे बारी तआला अज़्ज़ा-इस्मुहू)

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

क़ल्ब की उसकी रूयत की है आरज़ू
जिसका जलवा है आलम में हर चारसू
बल्कि ख़ुद नफ़्स में है वह सुब्हानहू
अ़र्श पर है मगर अ़र्श को जुस्तुजू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

अ़र्श ओ फ़र्श ओ ज़मान ओ जेहत ऐ ख़ुदा
जिस तरफ़ देखता हूँ है जलवा तिरा
ज़र्रे ज़र्रे की आँखों में तू हो ज़िया
क़तरे क़तरे की तू ही तो है ज़िया
कतरे क़तरे की तू ही तो है आबरू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

तू किसी जा नहीं और हर जा है तू
तू मुनज़्ज़ा मकाँ से मुबर्रा ज़-सू
इल्मो कुदरत से हर जा है तू कूबकू
तेरे जलवे हैं हर हर जगह ऐ अफ़ू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

सारे आ़लम को है तेरी ही जुस्तुजू
जिन्नओ इन्सो मलक को तिरी आरज़ू
याद में तेरीहर एक है सू बसू
बन में बहशी लगाते हैं ज़रबाते हू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

नग़मा संजाने गुलशन में चरचा तेरा
चहचहे ज़िक्रे ह़क़ के हैं सुब्हो मसा
अपनी अपनी चहक अपनी अपनी स़दा
सबका मत़लब है वाहि़द कि वाहि़द ही है तू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

त़ायराने जिनाँ में तिरी गुफ्तुगू
गीत तेरे ही गाते हैं वह खुशगुलू
कोई कहता है ह़क़ कोई कहता है हू
और सब कहतें है लाशरीका लहू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

बुलबुले खुशनवा तूतिए खुशगुलू
ज़मज़मांख़्वाँ हैं गाते हैं नग़माते हू
क़मरिए ख़ुश लिक़ा बोली हक सिर्रुहु
फ़ाख़ता ख़ुशअदा ने कहा दोस्त तू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

सुब्हे–दम कर के शबनम से गुस्ल वो वज़ू
शाहिदाने चमन बस्त सफ़ रूबरू
विर्द करते हैं तसबीहें सुब्हानहू
हूवला ग़ैरुहू हूवला ग़ैरुहू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

हर नेहाले चमन ज़िक्र से है निहाल
ज़िक्रे हक़ ही उसे करता है मालामाल
ज़िक्र से चूक कर होता है वह निढाल
ज़िक्र ही तेरा है उसकी वजहे तमू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

वह भी तस्बीह से रखता है इश्तेग़ाल
जो नहीं रखता मूँह और लिसाने मक़ाल
फिर भी गोयाए तस्बीह है उसका हाल
उसकी हाली ज़बाँ कहती है तू ही तू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

जो है ग़ाफ़िल तेरे ज़िक्र से ज़ुलजलाल
उसकी ग़फ़लत है उस पर वबालो नकाल
क़अ़रे ग़फ़लत से हमको ख़ुदाया निकाल
हम हों ज़ाकिर तेरे और मज़कूर तू

Scanned with CamScanner

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

है ज़बान–ए–जहाँ हम्द–ए–बारी में लाल
दम कोई हम्द का मारे किस की मजाल
ताबा मकाने हम रखते हैं क़ीलो क़ाल
इसको मक़बूल फ़रमा ले रहमत से तू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

भर दे उलफ़त की मय से हमारा सुबू
दिल में आँखों में तू और लब पर हो तू
कैफ़ में वज्द करते फिरें कूबकू
विर्द गाया करें पय बपय सूबसू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

अफ़्व फ़रमा ख़ातायें मिरी ऐ अफ़ू
शौक़ो तौफ़ीक़ नेकी का दे मुझको तू
जारी दिल पर कि हर दम रहे ज़िक्र–ए–हू
आ़दते बद बदल और कर नेक ख़ू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

बद हूँ मौला मेरे मुझको कर दे निकू
रखते आमाल है चाक फ़रमा रफ़ू
तेरी रहमत की उम्मीद है ऐ अफ़ू
कि है इरशादे कुर्आन लातक़–न–ए तू

Scanned with CamScanner

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

दाख़िल ख़ुल्द हमको जो फ़रमाये तू
हम हैं और हूरो ग़िल्माँ लबे आबेजू
और जामे तुहूर और मीना–सुबू
देखें अअ्दा तो रह जायें पीकर लहू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

ठण्डी ठण्डी नसीमें चले मेरे रब
फ़ितनों की धूल से पाक होवे अ़रब
ऐसा बरसा बहा दे जो ख़ाशाक सब
तेरी रहमत के बादल घिरें चार सू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

रहम फ़रमा ख़ुदाया हरम पाक हो
तूने तक़दीस बख़्शी है जिस ख़ाक को
दफ़अ् फ़रमा वहाँ पर है बेबाक जो
और गिरा बिजलियाँ कहर की बर उ़दू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

नूर की तेरे है इक झलक खूबरू
देखे नूरी तो क्यों कर न याद आए तू
उनका सरवर है मज़हर तेरा हूबहू
मन रअ्नी रअल हक है हक मूबमू

Scanned with CamScanner

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

ख़्वाबे नूरी में आऐं जो नूरे ख़ुदा
बुक़क़ए नूर हो अपना जुलमतकदा
जगमगा उठे लिद चेहरा हो पुरज़िया
नूरियों की त़रह शुम्ल हो ज़िक्रे हू

अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू अल्लाहू

Scanned with CamScanner

हम्दे बारी तआ़ला

ला मौजूद –इल्लल्लाह
ला मशहू–द इल्लल्लाह
ला मक़सू–द इल्लल्लाह
ला मअ़बू–द इल्लल्लाह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
है मौजूदे हक़ीक़ी वह
है मशहूदे हक़ीक़ी वह
है मक़सूदे हक़ीक़ी वह
मअ़बूदे हक़ व हक़ीक़ी वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हू हू हू हू हू हू हू
अल्लाहू हू अल्लाहू
तेरा जलवा है हर सू
तू ही तू है तू ही तू
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हक़ हू हक़ हू हक़ हू हक़
रब्बिनास व रब्बि फ़लक़
ग़ैर नहीं तेरा मुतलक़
भूलूँगा मैं यह न सबक़

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
अनतलहादी अनतलहक़
रंगे बातिल उस से फ़क़
क़ल्बे मुबातिल सुनकर शक़
क़ल्बे मुस्लिम की रौनक़
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
रब्बी हसबी जल्लल्लाह
माफ़ी क़ल्बी इल्लल्लाह
हक़ हक़ हक़ अल्लाहू अल्लाहू
रब रब रब सुब्हानल्लाहु
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
लैसा कमिस्लिही शयउन
लैसा लहू कुफ़ुवन अहदुन
उस से बुन है वह नहीं बुन
अबसिर इसमअ् देख और सुन
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
लैसल हादी इल्लाहू
कहता है वह हरबुन मू
सुनता हूँ मैं अज़ हर सू
लैसा सिवाका यामनहू

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
बुनको बनाया है उसने
बुन को जमाया है उसने
बुनको उगाया है उसने
बाग़ खिलाया है उसने
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
अल्लाह इलाहु व रब्बो वाहिद
फ़रदो वाहिद वित्रो स़मद
जिसका वालिद है न वलद
ज़ातो सिफ़ात में बेहदो अ़द
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
एक हक़ीक़ी है वह अहद
एक नहीं वह जो है अह़द
पाक है वह अज़ सूरतो ह़द
कै–फ–युसव्वरकै–फ़–युहद
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
मुनइमो ह़क्को समीउ़न बसी़रून
बाक़ी बारी बर्रो ख़बीरून
जामेअ़ मानेअ़ मनार कबीर
राफ़ेअ् नाफ़ेअ् ह़य्यो क़दीर

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
ह़कमो व अदलो अ़लीयो व अ़ज़ीम
दईयानो व रह़मानो रह़ीम
कुद्दूसुन व हन्नानुन व ह़लीम
फ़त्ताह़ो व मन्नानी व करीम
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वाली वलिय्यो मुत़ाआ़ली ह़कीम
वहहाबो व रज़्ज़क़ो व अ़लीम
मालिके यौमे दीनो व ज़ह़ीम
मालिको मुल्के खुल्दो व नईम
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वह है मुक़द्दिमु और गफ्फार
वह है मुहैमिन और जब्बार
वह है मोअ़ख़्ख़िर और कह्हार
वह है बासि़त और सत्तार
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नूर मुसव्विर और ज़ाहिर
बात़िन अव्वल और आख़िर
वाजिद माजिद और क़ादिर
मोमिन मुतकब्बिर क़ाहिर

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

तव्वाबो मुग़नी हादी

मुक़्सित मुहई मुमीत ग़नी

मुन्तक़िमों व क़य्यूमो क़वी

मुक़्तदिरो वासेअ् मुहई

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

मुबदीयू जलीलो व हफ़ीज़ो व मजीद

मोअ़तियो वकील व सलामो व मुईद

वह है लत़ीफ़ो व वदूदो व वहीद

और शहीदो वहीदो व रशीद

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

वह है जवादो अफ़ुवो अ़तूफ

अज़ली अबदी है मअ़रूफ़

यस़रिफ़ो अ़न्ना जमीअ़ा स़रूफ़

मौलल्कुल्लि व हुआ रऊफ़

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

वह है मुहीते इन्सो जाँ

वह है मुहीते जिस्मो जाँ

वह है मुहीते कुल अज़मा

वह है मुहीते कौनो मकाँ

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वह है मुक़ीतो मुइज़्ज़ो मुज़िल
वह है हफ़ीज़ो नसीर ऐ दिल
बादो आतिशो आबो गिल
सब का वह ही है फ़ाइल
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
माद्दे उसने पैदा किये
उसके अम्रे कुन से बने
दौरो तसल्सुल के झगड़े
अम्रे हक़ से क़त्अ् हुए
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
क़ाबिदो बाइस ख़ालिक़ है
ख़ाफ़िदो वारिस राज़िक़ है
जो है उसका आशिक़ है
ग़ैरे नातिक़ नातिक़ है
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
कोई न उससे साबिक़ है
कोई न उससे लाहिक़ है
कौन सूना के लाएक है
नातिक़ ग़ैरे नातिक़ है

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
सब हैं हादिस वह है क़दीम
कोई नहीं है उसका नदीम
पैदा उसने किये हैं फ़ख़ीम
और उसी ने बनाये लईम
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
एक ही है वह बेशक एक
बन्दा उसका हर बदो नेक
काफ़िर दिल में उस से अटेक
अपने दिल की है यही टेक
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
साझी न उसका कोई शरीक
वही मालिक है वही मलीक
पाक मकाँ से और नज़दीक
देखो सुने पस्तो बारीक
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वह है मुनज़्ज़ा शिर्कत से
पाक सुकूनो हरकत से
काम हैं उसके हिकमत से
करता है सब कुदरत से

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
एक वुजूदे हक़ीक़ी था
गै़र सरासर फ़ानी हुआ
हक़बीं नज़र से जब देख
बरमला कह उठे उक़ला
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
बाक़ी हुदूदे हक़ीक़त था
बाक़ी यकसर मनफ़ी हुआ
कह उठे यह बाज़ उर्फ़ा
माफ़ी हुब्बी इल्लल्लाह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हर हर ज़र्रा हर क़तरा
शाहिद है हर हर क़तरा
उसकी कुदरतो सनअ़त का
यकताई–ो वहदन का
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
अल्लाह वाहिद व यकता है
एक ख़ुदा बस तन्हा है
कोई न उसका हमता है
एक ही सब की सुनता है

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

एक न होता गर अल्लाह
कैसे रहते अ़र्दों समाँ
होता न मोहताज इक का
किस लिए यह उस से मिलता

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

सोता पीता खाता नहीं
उसका रिश्ता नाता नहीं
उसके पिता और माता नहीं
उ़सके जोरू जाता नहीं

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

जहलो ज़ुल्मो कि़ब्ज़ो ज़िना
ख़्वारी मय ख़्वारी सरक़ा
उस से मुमकिन जिस ने कहा
लारैब उसने कुफ़्र बका

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

रूह नहीं है वह न जसीम
मक़सिम है वह ना कि़स्मो क़सीम
उसके सि़फ़ातो असमा क़दीम
यह है अपना दीन–ए–क़वीम

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

है वह ज़मानो ज़ेहात से पाक
वह है ज़मीमे सिफ़ात से पाक
वह सारे मुहालात से पाक
वह है सब हालात से पाक

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

पाक है ऐबों से मौला
ऐब को उस से इलाक़ा क्या
ऐब उसका स्वालेह न हुआ
हो मुतअ़ल्लक़ कुदरत का

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

रौशन है यह जैसे दिन
उसका तलव्वुत नामुमकिन
वाक़ेअ़ कहता है मुहिन
और फिर बनता है मोमिन

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

मन असदक़ मिन्हो क़ीला
मन असदक़ किन्हो हदीसा
कैसा कैसा रब ने कहा
मुनकिर एक नहीं सुनता

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
सिदके रब जब वाजिब है
किज़्ब मुहाल ऐ ख़ाइब है
जमा दो ज़िद कब जाइज़ है
अक़्ल कहाँ तेरी ग़ायब है
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
उसका खाये ओ मुनकिर
और गुर्राए ओ काफ़िर
कौन है देता ओ ग़ादिर
उसके सिवा हाँ हो फ़ाजिर
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
मैं हूँ बन्दा वह मौला
कौन है अपना उसके सिवा
मैं हूँ उसका वह मेरा
जिसने बनाया और पाला
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
चार अनासिर पैदा किये
जो सब आपस में ज़िद थे
एक गिरेह में कैसे बँधे
यकजा कैसे जमा हुए

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
आँखों में वह है सर में वह
दिल में वह जिगर में वह
समअ में वह है बसर में वह
तबअ़ में वह है फ़िक्र में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नूर में वह है नज़र में वह
शम्स में वह क़मर में वह
अब्र में वह है गुहर में वह
कोह में वह है हज्र में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
परवाना में है पर में वह
शमअ़ में वह है शरर में वह
दाओ दवाओ असर में वह
नफ़ा में वह है असर में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
तुख़्म में वह है शज्र में वह
शाख़ में वह है समर में वह
माह में वह है बदर में वह
बह्र में वह है बर में वह

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
सोज़ में वह है साज़ में वह
नाज़ में वह अन्दाज़ में वह
हुस्ने बुत तन्नाज़ में वह
इश्क़ के राज़ो नियाज़ में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
तू में वह है मन में वह
जान में वह है तन में वह
आबादी में है बन में वह
सिर में वह है इलन में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जुज़ में वह है कुल में वह
रंगो बूऐ गुल में वह
अफ़ाग़ाने बुलबुल में वह
नग़माते कल कल में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
कुर्बो बक़ो वस्ल में वह
बोअ़दो फिराको फस्ल में वह
फ़र्ज में वह है नफ़ल में वह
अस्ल में वह है नक़ल में वह

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
फ़तहो जम्मो जर में वह
पेश–ो ज़ेरो ज़बर में वह
ईनो आन को दिगर में वह
इस में उसमें हर में वह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
बुलबुले तूती परवाना
हर एक उसका दीवाना
कुमरी किसका मस्ताना
कौन चकोर का जाना नाँ
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
शमअ़–ो गुल–ो सर्वे स़रात़
हैं मराते लेहाज़े ज़ात
वरना है हातो हैहात
पूछता कोई उनकी बात
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
ख़ुद गिल कूज़ा–ो कूज़ागर
ख़ुद कुज़ओ ख़ुद कूज़ा बर
क़ौले रूमी कर बावर
ईमाँ है ऐ कोराकर

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जलवे उसके हैं हरजा
ज़ात है उसकी जा से वरा
कुदरत से वह उनमें हुआ
ज़ात में है वह सब से जुदा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नितनए जलवे हैं हर आँ
कुल्ला यौमिन हुआ फ़ीशान
ख़ुद ही दर्दे ख़ुद दर्मा
ख़ुद ही दस्तो ख़ुद दामाँ
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हर दिल में है उसकी लगन
आँखों में वह नूर अफ़गन
क्या सहरा और क्या गुलशन
महरे वुजूद की एक किरण
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
सर्वे सुम्बुल और समन
शमशाद–ो सनोवर और सोसन
नर्गिस नसरीं सारा चमन
उसकी सना में नग्मा ज़न

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
मौला दिल का ज़ंग छुड़ा
क़ल्बे नूरी पाये जिला
दिल को कर दे आईना
जिस में चमके यह कलिमा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
अपने करम से रब्बे करीम
हम पे किया ऐहसाने अज़ीम
भेजा हम में बफ़ज़्ले अमीम
बहरे करम का दुर्रे यती
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
अपने मज़हरे अव्वल को
अपने हबीबे अजमल को
पहले हबीबे अजमल को
पिछले मुरसले अकमल को
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वह जिन्हें अनफस फ़रमाया
बेहतर बरतर अअला किया
वह रूतबा उनकी बख़्श
कोई नहीं जो पा सकता

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
ऐसी फ़ज़ीलते उनको दीं
जिनका मिस्ल इमकाँ में नहीं
रूहे रवाने ख़ुल्दे बरीं
नख़्ले जहाँ के अस्ले मती
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नायबे हज़रते हक़्के मतीं
शाहिंशाहे चरख़ –ो मज़ीं
वालिए तख़्ते अर्शे बरीं
राहते जान ो क़ल्बे हज़ीं
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
मौजे अव्वल बहरे क़िदम
मौजे आख़िर बहरे करम
सब से अअ़्ला और अअ़्ज़म
सब से औला और अकरम
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जिनको बनाया अपने लिये
सब को बनाया जिनके लिये
कब उन्हें देके उनसे लिये
पर सब छोड़े तेरे लिये

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नूर से अपने पैदा किया
नूरे हबीबे रब्बे उ़ला
फिर उस नूर को हिस्से किया
उ़न से बनाया जो है बना
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
ज़ात का अपनी आईना
बेमिस्ल–ो नज़ीर–ो बेहमता
ख़ल्क़ किया क़ब्ल अज़ अश्या
और नुबुव्वत कर दी अ़ता
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जब ह़क़ को हुआ यह मन्ज़ूर
आ़लम पर फ़रमाये ज़ुहूर
हो ख़ुद मअ़रूफ़–ो मज़कूर
जलबाबे ख़िफ़ा कर दे दूर
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
क़ाबिले आदम ख़ल्क़ किया
रूह दर आये हुक्म हुआ
रूह दर आई जब देखा
पुतले में है नूरे ख़ुदा

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
आदम–ो आलम पैदा हुये
नूर से सारे हुवैदा हुये
जो जो उस पर हुवैदा हुये
रब के वही गिरवीदा हुए
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
लौहे जबीने सय्येदिना
अ़दम में वह नूरे ख़ुदा
जब त़ालेअ़ हुआ तो उनका
तालेअ़े क़िस्मत भी चमका
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
नूरे ख़ुदा की बरकत थी
रहने को जन्नत पाई
नुदरते दौलते इल्म मिली
और आदम हुए हक़ के नबी
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हक़ ने इल्मे अंस्माँ दिया
जो न मलाइक को बख़्शा
वह मलिका फ़रमाया अ़ता
उन पर उनको ग़ल्बा दिया

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
आदम को शरफ़ ऐसा मिला
आदमी अशरफ़े ख़ल्क़ हुआ
उनको ख़लीफ़ा हक़ ने किया
ताजे करामत सर पे रखा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
वास्ता यह उस नूर का था
हज़रते इन्साँ क़िब्ला बना
सारे फ़रिश्तों ने सजदा
पेशे सफ़ी उल्लाह किया
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
पाक गिरोहे मुक़द्दस का
एक अ़ल्लामा मोअ़ल्लिम था
क़ौमे जिन से था पैदा
था उसे ग़र्रा इबादत का
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जब सजदे का हुक्म हुआ
सब ने किया उसने न किया
और मुतकब्बिर ने यह बका
यह मिट्टी मे अंगारा

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

उसको आब–ो ग़िल सूझा
मुनकिर होकर शैताँ बना
जिनके सबब वह हुक्म हुआ
उसने वह नूर नहीं देखा

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

यारी जो नूर नहीं करता
देखते कैसे फ़ौके समा
नामे हबीबे–ो नामे ख़ुदा
साके अर्श पे लिखा हुआ

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

जोश पे आया रहम का दरिया
जब सय्येदिना आदम ने दिया
वास्ता उस नूरे ख़ुदा का
मक़बूल हुई यूँ तौबा

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह

जब हज़रत का जो न लगा
तन्हाई से घबरा उठा
दिल जमई के लिए हव्वा
ख़ल्क़ की बेमिस्ल–ो हमता

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हव्वा से जब आदम का
अहदे महरे दुरूद हुआ
आदम से वह नूरे ख़ुदा
ज़ौजा को तफ़वीज़ हुआ
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
पेशानीये शीस में आया
सुल्बों रहमों में होता
पेशानीये नूह में आया
फ़िर ऐसे ही आगे बढ़ा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
हज़रते नूह नजी उल्लाह
आदमे सानी आ़लम का
यार न गर यह नूर होता
उनका सफ़ीना कब तरता
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
इब्राहीम ख़लीलुल्लाहि
आग में जिन को डाला गया
उनका हामी नूर हुआ
नार का बुक़आ़बाग़ बना

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
ताहिर सुल्बो में होता
पाक अरहाम में रहता हुआ
हो चाहा जलवा नूमा
बतने आमिना में आया
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
आमिना ने यह फ़रमाया
ह़मल की कुलफ़त थी न ज़रा
जितना करीं अज़ वज़अ् हुआ
मैं सुनती ज़्यादा मरहबा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
माहे अव्वल में आदम
दूसरे में इदरीस अफ़ख़म
तीसरे में नूहे अकरम
चौथे में ख़लीले अरहम
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
पाँचवे में इसमाईल
छठवे में कलीमे जलील
सातवे में दाऊदे जमील
हशतुम में सुलेमाने जलील

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
माहे नहुम हज़रते ईसा
आये मुझको मुज़दा दिया
उस मौलूदे मुबारक का
और रूहुल्लाह ने भी कहा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
सुनलो जब यह नूरे खुदा
पैदा हो तो तुम उसका
नामे पाक अह़मद रखना
स़ल्ला अ़लैहि दाइमा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
और किसी ने यह भी कहा
ख़्वाब में मुझ से आमिना
पेट में तेरे उम्मत का
सरदार है अल्लाह अल्लाह
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
पेट में थे जब यह सरकार
उस से पहले के अज़कार
खुश्क थे सब बर्ग–ो अश्जार
सूख गये थे सब असमार

Scanned with CamScanner

लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
बेसाज़ो बर्गी के सिवा
कोई फला और फूला न था
बत़न में जलवा फ़रमा था
जब कि हुआ वह नूरे खुदा
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
क़ौम मसाइव की थी शिकार
और आफ़तों से थी दो चार
और ज़ुल्मों की थी भरमार
एक को इक करता नाहार
लाइलाहा इल्लल्लाह आमन्ना बिर्रसूलिल्लाह
जोर–ो जफ़ा था उनका शिआ़र
नियते रखते थे वह ख़्वार
(ना तमाम है)

(अमानत रसूल नूरी गुफिरा ल हू)

सना जिसकी सनाये किबरिया है

मये महबूब से सरशार कर दे
उवैस क़रनी को जैसा किया है
गुमा दे अपनी उलफ़त में कुछ ऐसा
ना पाऊँ मैं मैं मैं ज़ो बेबक़ा है
पिला दे मये कि ग़फ़लत दूर कर दे
मुझे दुनिया ने ग़ाफ़िल कर दिया है
अ़ता फ़रमा दे साक़ी जामे नूरी
लबालब जो चहीतों को दिया है
सना लिखनी है महबूबे ख़ुदा की
ख़ुदा ही जिनकी अ़ज़मत जानता है
मैं तेरे फ़ैज़ से कुछ कह सकूँगा
मैं क्या हूँ और मेरा यारा ही क्या है
सुना ऐ बुलबुले बाग़े मदीना
तराना और दिल यह चाहता है
सुना नूरी ग़ज़ल उसकी सना में
सना जिसकी सनाए किबरिया है

Scanned with CamScanner

नअ़ते शहे वाला

पढूँ वह मत़लए नूरी सनाए हमरे अनवर का
हो जिस से क़ल्ब रौशन जैसे मत़लए महूरे महशर को

सरे अ़र्श उ़ला पहुँचा क़दम जब मेरे सरवर का
जुबाने कुदसिया पर शोर था अल्लाहु अकबर का

बना अ़र्शे बरीं मसनद कफ़े पाये मुनव्वर का
ख़ुदा ही जानता है मरतबा सरकार के सर का

दो आलम सदक़ा पाते हैं मेरे सरकार के दर का
इसी सरकार से मिलता है जो कुछ है मुक़द्दर का

बडे दरबार में पहुँचाया मुझ को मेरी किस्मत ने
मैं सदक़े जाऊँ क्या कहना मेरे अच्छे मुक़द्दर का

है ख़्श्को तर पे क़ब्ज़ा जिसका यह शाहे जहाँ यह है
यही है बादशाह बर–का यही सुल्ताँ समन्दर का

मिटे जुल्मत जहाँ की नूर का तड़का हो आ़लम में
नक़ाबे रूए अनवर ऐ मिरे खुर्दीद अब सरका

ज़िया बख़्शी तिरी सरकार की आ़लम पे रौशन है
मह–ने खुर्शीद सदक़ा पाते हैं प्यारे तिरे दर का

निगाहे महर से अपनी बनाया महर ज़र्रो को
इहाली नूर दिन दूना हो महरे ज़र्रा परवर का
तबक़ पर आसमाँ के लिखता मैं नअ़ते शहे वाला
कमल ऐ काश मिल जाता मुझे जिब्रील के पर का
मुक़ाबिल उनके ज़र्रा के ज़रा सा मुँह निकल आया
बहुत होशरा सुना करते थे हम ख़ुर्शीदे महशर का
जमाले हक़ नूमा देखें अयाँ नूरे ख़ुदा में
कलीम आयें हटा देखें ज़रा पर्दा तिरे दर का
न साया रूह का हर्गिज़ न साया नूर का हर्गिज़
तो साया कैसा इस जाने जहाँ के जिस्मे अनवर का
वह आईना अगर देखें तो अपने आप को देखें
कहाँ है आईना में और कोई उनके बराबर का
मुहाले अक़्ल है तेरा मुमासिल ऐ मिरे सरवर
तवहहुम कर नहीं सकता है आक़िल तेरे हम सर का
ख़ुदा शाहिद रज़ा का आपकी तालिब ख़ुदा होगा
तआ़ल'अल्लाह रुतबा मेरे हामी मेरे यावर का
दबा जाता पिचा जाता हूँ मैं आक़ा दुहाई है
यह भारी बोझ इसयाँ का मिरे सर का ज़रा सरका

Scanned with CamScanner

बुझेगी शर्बते दीदार ही से तिशनगी अप
तुम्हारी दीद का प्यासा हूँ यूँ प्यासा हूँ कौसर व
जबा पर जम गये कांटे है सारा हल्क़ खुश्क़ अपना
शहीदे कर्बला का सदक़ा दो एक जामे कौसर का

कमी कुछ भी ख़ज़ाने में तुम्हारे हो नहीं सक
तुम्हें हक ने अता फ़रमा दिया जब चश्मा कौसर व
जो आब–ने ताबे दन्दाने मुनव्वर देख लूँ नूरी
मिरा बहरे सुख़न सर चश्मा हो खुश आबे गौहर का

Scanned with CamScanner

मख़्ज़ने अनवार

वस्फ़ क्या ख़ाक लिखे कोई उस महबते अनवार का
महर–ो मह में जलवा है जिस चाँद से रूख़सार का
अर्शे अअ्ज़म पर फ़रैरा है शाहे अबरार का
बजता है कौनैन में डंका मिरे सरकार का
दो जहाँ में बँटता है बाड़ा उसी सरकार का
दोनों आलम पाते हैं सदक़ा उसी दरबार का
जारी है आठों पहर लंगर सख़ी दरबार का
फ़ैज़ पर हर दम है दरया अहमदे मुख़्तार का
रौज़ए वालाए तैबा मख़्ज़ने अनवार है
क्या कहूँ आलम में तुझ से जलवागाहे यार का
दिल है किस का जान किस की सब के मालिक है वही
दोनों आलम पर है क़ब्ज़ा अहमदे मुख़्तार का
क्या करे सोने का कुश्ता कुश्ता तीरे इश्क का
दीद का प्यासा करे क्या शर्बते दीनार का
फक हो चेहरा मेहरूमह का ऐसे मूँह के सामने
जिस को क़िस्मत से मिले बोसा तिरी पैज़ार का

Scanned with CamScanner

लात मारी तुम ने दुनिया पर अगर तुम चाहते
सिलसिला सोने का होता सिलसिला कोहसार का
मैं तिरी रहमत के कुर्बां ऐ मिरे अमनो अमाँ
कोई भी पुरसाँ नहीं है मुझ से बदकिरदार का
है मआसी हद से बाहर फिर भी ज़ाहिद ग़म नहीं
रहमते आलम की उम्मत बन्दा हूँ ग़फ़्फ़ार का
तू है रहमत बाबे रहमत तिरी दरवाज़ा हुआ
सायए फ़ज़ले ख़ुदा साया तिरी दीवार का
कअबो अक़्सो अर्श खुल्द हैं नूरी मगर
है निराला सब से आलम जलवा गाहे यार का

Scanned with CamScanner

क़तअ़

गुलहाए सनासे महकते हुए हार
सुक़्म शरई से हैं मुनज़्ज़ाह अशआ़र
दुश्मन की नज़र में यह न खटकें क्यूँ कर
है फूल मगर हैं चश्म–ए–अअ़दा में ख़ार

क़तअ़

बदकार हूँ मुजरिम हूँ सियाहकार हूँ
इक़रार है इसका कि गुनहगार हूँ मैं
बाईहमा नारी नहीं नूरी हूँ हुज़ूर
मोमिन हूँ तो फिरदौस का हक़दार हूँ मैं

Scanned with CamScanner

ख़ारी कुएँ शीरीं हुए

कुन का हाकिम कर दिया अल्लाह ने सरकार को
काम शाखों से लिया है आपने तलवार का

कुछ अ़रब पर ही नहीं मौकूफ़ ऐ शाहे जहाँ
लोहा माना एक आ़लम ने तिरी तलवार का

काट कर यह ख़ुद सर में घुस के भेजा चाट ले
काट ऐसा है तुम्हारी काठ की तलवार का

इस किनारे हम खड़े हैं पाट ऐसा धार यह
अलमदद ऐ नाख़ुदा है क़िस्सा अपने पार का

रब्बे सल्लिम की दुआ़ से पार बेड़ा कीजिए
राह है तलवार पर नीचे है दरया नार का

तू है वह शीरी दहन ख़ारी कुएँ शीरीं हुए
उनको काफी हो गया आबे दहन एक बार का

जिस ने जो माँगा वह पाया और बे मांगे दिया
पाक मुँह पर हर्फ़ आया ही नहीं इनकार का

दिल में घर करता है अअ़्दा के तिरा शीरी सुख़न
है मेरे शीरीं सुख़न शोहरा तिरी गुफ़्तार का
जुलमते मरक़द का अन्देशा हो क्यूँ नूरी मुझे
क़ल्ब में है जब मिरे जलवा जमाले यार का

रूए अनवार यार का

चारह गर है दिल तो घायल इश्क़ की तलवार का
क्या करूँ मैं ले के फाहा मरहमे ज़ंगार का
रूकशे ख़ुल्दे बरी है देख कूचा यार का
हैफ़ बुलबुल अब अगर ले नाम तू गुलज़ार का
हुस्न की बे पर्दगी पर्दा है आँखों के लिए
ख़ुद तजल्ली आप ही पर्दा है रूए यार का
हुस्न तो बे पर्दा है पर्दा ही अपनी आँख पर
दिल की आँखों से नहीं है पर्दा रूए यार का
एक झलक का देखना आँखों से गो मुमकिन नहीं
फिर भी आ़लम दिल से ता़लिब है तिरे दीदार का
तेरे बाग़े हुस्न की रौनक़ का क्या आ़लम कहूँ
आफ़ताब इक ज़र्द पत्ता है तिरे गुलज़ार का

Scanned with CamScanner

कब चमकता यह हिलाले आसमाँ हर माह यूँ
जो न होता उस पे परतव अबरूए सरकार का
जाग उठी सोई क़िस्मत और चमक उठा नसीब
जब तसव्वुर में समाया रूए अनवर यार का
हसरते दीदार दिल में है और आखें बह चलीं
तू ही वाली है ख़ुदाया दीदए ख़ूंबार का
भीक अपने मरहमे दीदार की कर दो अता
चाहिए कुछ मुँह भी करना ज़ख़्मे दामन दार का
काम नश्तर का किया नासेह नसीहत ने तिरी
चीर डाला और दामन ज़ख़्म दामन दार का
यूँ ही कुछ अच्छा मदावा इसका होगा बख़ीया गर
चाक कर डालूँ गिरेबाँ ज़ख़्म दामन दार का
अज़ सरे बालीने मन बरख़ेज़ ऐ नादी तबीब
हो चुका तुझ से मदावा इश्क़ के बीमार का
फ़ितने जो उठे मिटा डाले रविश ने आपकी
क्यूँ न हो दुश्मन भी क़ायल ख़ूबीए रफ़्तार का
चौकड़ी भूला बुराक़ बअ़द पाया देखकर
है क़दम दोशे सबा पर इस सुबुक रफ़्तार का

Scanned with CamScanner

कोई दम की देर है आते हैं दम की देर है
अब चमकता है मुक़द्दर तालिबे दीदार का

जब गिरा मैं बेख़ुदी में उनके क़दमों पर गिरा
काम तो मैंने किया अच्छे भले होशियार का

आबला पा चल रहा है बेख़ूदी में सर के बल
काम दीवाना भी करता है कभी होशियार का

आबलों के सब कटोरे आह ख़ाली हो गये
मुँह अभी तर भी न होने पाया था हर ख़ार का

आबले कम मायेगी पर अपनी रोयें रात दिन
सूख कर कांटा हुआ देखें बदन हर ख़ार का

इसी बरते पे था यह तत्ता पानी वाह वाह
प्यास क्या बुझती दहन भी तर नहीं हर ख़ार का

पाँव में चुभते थे पहले अब तो दिल में चुभते हैं
याद आता है मुझे रह रह के चुभना ख़ार का

पांव क्या मैं दिल में रख लूँ पाऊँ जो तैबा के ख़ार
मुझ से शोरीदा को क्या खटका हो नोके ख़ार का

राह पर कांटे बिछे हैं कांटों पर चलनी है राह
हर क़दम है दिल में खटका इस रहे पुरख़ार का

Scanned with CamScanner

ख़ारे गुल से दहर में कोई चमन ख़ाली नहीं
यह मदीना है कि है गुलशन गुले बेख़ार का
गुल हो सहरा में तो बुलबुल के लिए सहरा चमन
गुल न हो गुलशन में तो गुलशन है एक बन ख़ार का
गुल से मतलब है जहाँ हो अन्दलीबे ज़ार को
गुल न हो तो क्या करे बुलबुल कहो गुलज़ार का
फिर से हो जाये न आलम में कहीं तूफ़ाने नूह़
लो उबलता है समन्दर अपनी चश्मे ज़ार का
धज्जियाँ हो जाये दामन फ़र्दे इसयाँ का मेरी
हाथ आ जाये जो गोशा दामने लिददार का
कौसरे तसनीम से दिल की लगी बुझ जायेगी
मैं तो प्यासा हूँ किसी के शर्बते दीदार का
आईना खाना में उनके तुझ से सदहा महर हैं
महर किस मुँह से किया है हौसला दीदार का
जलवा गाहे खास का आलम बताये कोई क्या
महरे आलम ताब है ज़र्रा हरीमे यार का
हफ़्त किश्वर ही नहीं चौदा तबक़ रौशन किये
अ़र्श–ो कुर्सी ला मकाँ पर भी है जलवा यार का

Scanned with CamScanner

ज़र्द रू क्यूँ हो गया ख़ुर्शीदे ताबाँ सच बता
देख पाया जलवा क्या उस मत्लए अनवार का

हफ़्त किश्वर ही नहीं चौदह त़बक़ ज़ेरे नगीं
अ़र्श–ो कुर्सी ला मकाँ पर भी है जलवा यार का

यह महो ख़ुर यह सितारे चर्ख़ के फ़ानूस है
शमअ़ रौशन में है जलवा तिरे रूख़स़ार का

मरक़दे नूरी पे रौशन है अअ़ले शब चिराग़
या चमकता है सितारा आपकी पैज़ार का

तुम जाने मसीहा हो

मक़बूले दुआ करना मन्जूरे सना करना
मिदहत का सिला देना मक़बूले सना करना
दिल ज़िक्रे शरीफ़ उनका हर सुबहो मसा क
दिन रात जपा करना हर आन रटा क
सीने पे क़दम रखना दिल शाद मिरा करना
दर्दे दिले मुज़तर की सरकार दवा करना
संसार भिकारी है जगह दाता दया क
है काम तुम्हारा ही सरकार अ़ता क
कब आपके कूचे में मंगता को स़दा करना
खुद भीक लिए तुम को मंगताको निदा करना
दिन रात तै़बा में दौलत का लूटा क
मंगता की दवा करना मंगता का भला क
हम ऐने ज़फ़ा ही हैं हम को तो जफ़ा करना
और तुम तो करम हम पर ऐ जाने वफ़ा करना
दिन रात ख़ताओं पर हम को है ख़ता क
और तुम को अ़ताओं पर हर दम है अ़ता क

Scanned with CamScanner

हम अपनी ख़ताओं पर नादिम भी नहीं होते
और उन को अ़ताओं पर हर बार अ़ता करना
हम आप ही अपने पर करते हैं सितम हद भर
और उनको करम पर है हद से सिवा करना
है आठ पहर जारी लंगर मिरे दाता का
हर आन है सरकारी बाड़े का लूटा करना
महरूम नहीं जिस से मख़लूक़ में कोई भी
वह फ़ैज़ इन्हें देना वह जूद व सख़ा करना
है आम करम उनका अपनेहों कि हों अअ़दा
आता ही नहीं गोया सरकार को ला करना
महरूम गया कोई मायूस फिरा कोई
देखा न सुना इनका इनकारो इबा करना
मायूस गया कोई महरूम फिरा कोई
दुनिया के सलातीं को कब आया अ़ता करना
दुख दर्द कहें किस से यह काम तो हैं उनके
फरियाद सुना करना और दाद दिया करना
अल्लाह वह सुन लेंगे और दिल की दवा देंगे
बेकार न जायेगा फ़रियादो बुका करना

अअ़्दा को ख़ुदा वाला जब तुम ने बना डाला
दुश्वार है तुम पर क्या मुझ बद का भला करना
सूख़ी है मिरी खेती पड़ जाये भरन तेरी
ऐ अब्रे करम इतना तू बहरे ख़ुदा करना
जो सोख़्ता हेज़ुम को चाहो तो हरा कर दे
मुझ सोख़ता जा का भी दिल प्यारे हरा करन
तै़बा में बुला लेना और अपना बना लेना
कै़दी ग़मे फुरक़त के सरकार रिहा करना
हम अ़र्ज़ किये जायें सरकार सुने जायें
क्या दूर करम से है दिन ऐसा शहा करन
संगे दरे सरवरे पर रखा हुआ हो यह सर
ऐ काश हो कि़स्मत में इस त़रह क़ज़ा करना
ख़िल जायें चमन दिल के और हुज्न मिटें दिल
तै़बा से स़बा आके इमदाद ज़रा करन
हर दाग़ मिटा देना और दिल को शिफ़ा देना
आईना बना देना ऐसी तू ज़िला करना
सरवह है वही सरवर ऐ सरवरे हर सरव
है आप के क़दमों पर सर जिस को फ़िदा करन

शोहरा लबे ईसा का जिस बात में है मौला
तुम जाने मसीहा हो ठोकर से अदा करना
तू जाने मसीहा से हालत मिरी जा कहना
इतना तो करम मुझ पर ऐ बादे सबा करना
पर्दे में जो रहते हो पर्दा है चले आओ
आँखों में बसा करना तुम दिल में रहा करना
उफ़ कैसी क़ियामत है यह रोज़े क़ियामत भी
सूरज है वही क़ायम भूला है ढला करना
लिल्लाह हमें मौला दामन के तले ले लो
हम कैसी बला में है हाँ रद्दे बला करना
यह ज़िल्ले करामत है हम सायए रहमत है
यह सायए राफ़त है दामन ज़रावा करना
ऐ ज़िल्ले ख़ुदा साया है आज कहाँ पाया
हम साये को आये हैं तुम साया ज़रा करना
अब तिशाना है गो साक़ी तिशाना तिरी रूयत का
रूयत जो न हो तेरी तो जाम का क्या करना
हूँ तिशना मगर साक़ी दीदार के शर्बत का
इक जाम मुझे प्यारे लिल्लाह अता करना

Scanned with CamScanner

तिशाना मैं नहीं इसका तिशाना हूँ मैं रूयत का
साक़ी मुझे कौसर के साग़र को है क्या करना
है प्यास से हाल अबतर निकली है जुबाँ बाहर
इक जाम मुझे सरवर कौसर का अ़ता करना
जो दिल से तुझे चाहें जो ऐब तिरे ढापें
ऐ नफ़्स तुझे उनसे कमबख़्त दग़ा करना
वह तेरा बुरा चाहें मुमकिन ही नहीं उन से
अअ़्दा की भलाई की जिन को है दुआ करना
दुनिया बने या बिगड़े दुनिया रहे या जाये
तू दीन बना प्यारे दुनिया का है क्या करना
खाया पिया और पहना अच्छां से रहा अच्छा
कुछ दीन का भी करले दुनिया का है क्या करना
क़िस्मत में ग़मे दुनिया जन्नत का क़बाला हो
तक़दीर में लिख्खा हो जन्नत का मज़ा करना
दुनिया में जो रोते हैं उक़बा में वह हँसते हैं
दुनिया में जो हंसते हैं है उनको कुढ़ा करना
मूसा हुये ग़श जिससे और तूर जला जिस से
वह जलवा मिरे दिल पर ऐ नूरे ख़ुदा करना

Scanned with CamScanner

बर्बाद न हो मिट्टी इस खाक के पुतले की
अल्लाह मुझे उनकी ख़ाके कफ़े पा करना
क्यूँ नक़्शे कफ़े पा को दिल से न लगाये वह
है आईना–ए–दिल की नूरी को जिला करना

कैसा पुरनूर है जन्नत

कौन ऐसा है जिसे ख़ैरे वरा ने न दिया
कोई ऐसा भी है क्या जिसको ख़ुदा ने न दिया
आप के दीन का मुनकिर है निरा न शुकरा
कोई काफ़िर ही कहेगा कि ख़ुदा ने न दिया
जिस को तूम ने दिया अल्लाह ने उसको बख़्शा
जिसको तुम ने न दिया उसको ख़ुदा ने न दिया
आप के रब ने दिया आपको फ़ज़ले कुल्ली
वह दिया तुम को जो औरों को ख़ुदा ने न दिया
वह फ़ज़ाएल तुम्हें बख़्शे हैं ख़ुदा ने जिनका
आप के ग़ैर में इमकान भी आने न दिया
मिस्ल मुमकिन ही नहीं है तिरा ला सानी
वहम ने भी तो तिरा मिस्ल समानेन दिया

Scanned with CamScanner

आपके जोड का आये तो कहाँ से आयें
जब वुजूद उसको शहे अ़र्ज़ समा ने न दिया

आदम–ो नूह,इब्राहीम,कलीम–ओ इसा
इनको सब को मिला क्या रब्बे उ़ला ने न दिया

बावुजूद इसके तुम्हें जो मिला इनको न मिला
आपका रूतबा किसी को भी ख़ुदा ने न दिया

सब मत़ालिब मेरे बर आये करम से उन के
कोई मत़लब भी मिरे दिल का बराने न दिया

कैसी पुरनूर है जन्नत की फ़िज़ा ऐ नूरी
फिर भी त़ैबा का मज़ा उसकी फ़िज़ा ने न दिया

चमकती सी ग़ज़ल

बख़्ते ख़ुफ़्ता ने मुझे रौज़े पे जाने न दिया
चश्म–ो दिल सीने कलेजे से लगाने न दिया

आह किस्मत मुझे दुनिया के गमों ने रोक
हाये तकदीर कि तैबा मुझे जाने न दिय

पाँव थक जाते अगर पाँव बनाता सर को
सर के बल जाता मगर जोअ़्फ़ ने जाने न दिया

इतना कमज़ोर किया ज़ोअफ़ै कुवा ने मुझको
पाँव तो पाँव मुझे सर भी उठाने न दिया
सर तो सर जान से जाने की मुझे हसरत है
मौत ने हाय मुझे जान से आने न दिया
हाले दिल खोल के दिल आह अदा कर न सका
इतना मौक़अ़ ही मुझे मेरी क़ज़ा ने न दिया
हाये इस दिल की लगी को में मुझाऊ क्यों कर
फ़रते ग़म ने मुझे औसू भी गिराने न दिया
हाथ पकड़े हुए ले जाते जो तैबा मुझ को
साथ इतना भी तो मिरे रूफ़का ने न दिया
सज्दा करता जो मुझे इसकी इजाज़त होती
क्या करूँ इज़्न मुझे इसका ख़ुदा ने न दिया
हसरते सजदा यूँही कुछ तो निकलती लेकिन
सर भी सरकार ने क़दमों पे झुकाने न दिया
कूचए दिल को बसा जाती महक से तेरी
काम इतना भी मुझे बादे सबा ने न दिया
कभी बीमारे महब्बत भी हूए है अच्छे
रोज़ अफ़ज़ूँ है मर्ज़ का दवा ने न दिया

Scanned with CamScanner

शर्बते दीद ने और आग लगा दी दिल में
तपिशे दिल को बढ़ाया है बुझाने न दिया

अब कहाँ जायेगा नक़्शा तिरा मेरे दिल से
तह में रखा है इसे दिल ने गुमाने न दिया

देस से दिल से उनको जो उलफ़त है तो दिल ने मेरे
इसलिए देस का जंगला भी तो गाने न दिया

देस की धून ही वही राग अलापा उसने
नफ्स ने हाये ख्याल इस का मिटाने न दिया

नफ्से बदकार ने दिल पर यह कियामत तोडी
अमले नेक किया भी तो छुपाने न दिया

नफ्से बदकेश है किस बात का दिल पे शाकी
क्या बुरा दिल ने किया ज़ुल्म कमाने न दिया

मेरे अअ्माल का बदला तो जहन्न ही था
मैं तो जाता मुझे सरकार ने जाने न दिया

मेरे अअ्माले स्याह ने किया जीना दूभर
जहर खाता तिरे इर्शाद ने खाने न दिया

और चमकती सी गजल कोई पढो ऐ नूरी
रंग अपना अभी जमने शोअ्रा ने न दिया

जाने ईमा है मुहब्बत तेरी

क़फ़से जिस्म से छूटते ही यह पर्रा होगा
मुर्ग़ जाँ गुम्बदे ख़ज़रा पे ग़ज़ल ख़्वाँ होगा
रोजो शब मरकदे अकदम का जो निगराँ होगा
अपनी ख़ुश बख़्ती पे वह कितना न नाज़ाँ होगा
उसकी क़िस्मत की क़सम खायें फ़रिश्ते तो बजा
ईद की तरह वह हर आन में शादाँ होगा
उसकी फ़रहत पे तसद्दुक़ हों हज़ारों ईदे
कब किसी ईद में ऐसा कोई फ़रहाँ होगा
चमने तैबा में नो दिल की कली ख़िलती है
क्या मदीने से सिवा रोज़ए रिज़वाँ होगा
वह गुलिस्ताँ है जहाँ आप हों ऐ जाने ख़्याल
आप सहरा में अगर आये गुलिस्ताँ होगा
आप आ जायें जो चमन से तो चमन जाने चमन
ख़ास्सा इक ख़ाक बसर दश्ते मुग़ीलाँ होगा
जाने ईमाँ है मुहब्बत तिरी जाने जानाँ
जिस के दिल में यह नहीं खाक मुसलमाँ होगा

Scanned with CamScanner

दर्दे फ़ुर्क़त का मदावा न हुआ और न हो
क्या तबीबों से मिरे दर्द का दरमाँ होगा

जिसने तबरीद बताई ख़ूफ़क़ाँ होगा इसे
किया ठन्डाई से इलाजे तपे हिजराँ होगा

कहरबाई न हो क्यों रंग मिरे चेहरे का
जितना ईकान बढ़ा उतना ही तरसाँ होगा

नूरे ईमाँ की जो मशअल रहे रौशन फिर तो
रोज़ो शब मरक़दे नूरी में चराग़ाँ होगा

इक ग़ज़ल और चमकती सी सुना दे नूरी
दिल जिला पाएगा मेरा तिरा एहसाँ होगा

ख़ुर्शीदे रिसालत

आह पूरा मिरे दिल का कभी अरमाँ होगा
कभी दिल जलवा गहे सरवरे ख़ूबाँ होगा

मेरे दिल पर जो कभी जलवए जानाँ होगा
लमअ़ये नूर मिरे रूख़ से नुमायाँ होगा

जलवए मुसहफ़े रूख़ दिल में जो पिन्हाँ होगा
पारे पारे में मिरे क़ल्ब के कुरआँ होगा

Scanned with CamScanner

चौंध जायेगी तिरी आँख भी महरे महशर
उनके ज़र्रा को जो देखेगा परेशाँ होगा

देख मत देख मुझे गर्मे नज़र से ख़ावर
शोख़ीए चश्म से तू आप परेशाँ होगा

हुस्न वह पाया है ख़ुर्शीदे रिसालत तूने
तेरे दीदार का ताालिब महे किनआँ होगा

जलवए हुस्ने जहाँ ताब का क्या हाल कहूँ
आईना भी तो तुम्हें देख के हैराँ होगा

कौन पूछेगा भला रोज़े जज़ा वह भी मुझे
उनकी रहमत के सिवा कोई भी पुरसाँ होगा

चाक तक़दीर को क्या सोज़ने तदबीर सिये
लाख वह बख़ीया करे चाक गिरेबा होगा

मुझ को दअ्वा नहीं असमत का मगर बे मौक़अ्
ऐब जोई न करेगा जो सुख़नदाँ होगा

दिले दुश्मन के लिए तेग़ दो पैकर है सुख़न
चश्मे हासिद को मेरा शेअ्रे नमक दाँ होगा

उ़म्र सारी तो कटी लहव में अपनी नूरी
कब मदीने की तरफ़ कूच का सामी होगा

Scanned with CamScanner

शाने करम

मिरा घर ग़ैरते ख़र्शीदे दरख़्शाँ होगा
ख़ैर से जाने क़मर जब कभी मेहमाँ होगा
जो तबस्सुम से अ़याँ एक दुरे दन्दाँ होगा
ज़र्रा ज़र्रा मिरे घर का महे ताबाँ होगा

क्यूँ मुझे ख़ौफ़ हो महशर का कि हाथों में मिरे
दामने हामी ख़ुद माही –ए–इसयाँ होगा
पल्ला इसयाँ का गिराँ भी हो तो क्या ख़ौफ़
मुझे मेरे पल्ले पे तो वह रहमते रहमाँ होगा

मुझ से आसी को जो बे दाग़ छूड़ा लायेंगे
अहले महशर में जो देखेगा वह हैराँ होगा
कोई मुँह मेरा तकेगा कि यह वह आसी है
जिस को हम जानते थे दाख़िले मीज़ाँ होगा

कोई उस रहमते आलम पे तसद्दुक़ होगा
कोई यह शाने करम देख के कुरबाँ होगा
माजरा देख के होगा यह किसी को सकता
एक तअ़ज्जुब से वह अंगुश्त बदन्दाँ होगा

Scanned with CamScanner

उनकी हैरत पे कहूँगा कि तअ़ज्जुब क्या है
ख़ुद ख़ुदा होगा जिधर सरवरे ज़ीशाँ होगा
दम निकल जाये तुम्हें देख के आसानी से
कुछ भी दुश्वार न होगा जो वह आसाँ होगा
ज़ख़्म पर ज़ख़्म यही खाये यही क़त्ल भी हो
ख़ूने मुस्लिम अभी क्या इस से भी अज़ाँ होगा
भेड़यों का है यह जंगल नहीं कोई राई
भोली भेड़ों का शहा कौन निगेहबाँ होगा
ज़ुल्म पर ज़ुल्म सहे और सज़ाएँ भूगते
और उफ़ की तो तहे ख़न्ज़रे बुराँ होगा
यही अंधेर अगर और भी कुछ रोज़ रहा
तो मुसलमाँ का निशाँ भी न नुमायाँ होगा
सुबह रौशन की स्याह बख्ती से अब शाम हुई
कब क़मर.नूर देह शामे गिरेबाँ होगा
तू अगर चाहे मिले ख़ाक में सुलताने ज़मी
तिरा बन्दा कोइे तू चाहे तो सुलताँ होगा
ज़ुल्मते क़ब्र का क्या ख़ौफ़ मुझे ऐ नूरी
जब मिरे क़ब्ल में ईमान का लमआँ होगा

Scanned with CamScanner

जलवए माहे अ़रब

माहे ताबाँ तो हुआ महरे अ़जम माहे अ़रब
हैं सितारे अम्बिया महरे अ़जम माहे अ़रब

है सिफ़ाते ह़क़ के नूरी आईने सा!रे नबी
ज़ाते ह़क़ का आईना महरे अ़जम माहे अ़रब

कब सितारा कोई चमका सामने ख़ुर्शीद के
हो नबी कैसे नया महरे अ़जम माहे अ़रब

आप ही के नूर से तबिन्दा हैं शम्सो क़मर
दिल चमक जाये मिरा महरे अ़जम माहे अ़रब

क़ब्र का हर ज़र्रा एक ख़ुर्शीदे ताबाँ हो अभी
रूख़ से पर्दा दो हटा महरे अ़जम माहे अ़रब

कूचए पुरनूर का हर ज़र्रा रश्के महर है
वाह क्या कहना तिरा महरे अजम माहे अरब

रू स्याह हूँ मुँह उजाला कर मिरा जाने क़मर
सुबह कर या चौद न महरे अ़जम माहे अ़रब

नय्यरे चरख़े रिसालत जिस घड़ी त़ालेअ़ हुआ
औज पर था गुलग़ला महरे अ़जम माहे अ़रब

आपने जब मशारिक़े अनवार से फ़रमाया तुलूअ़
दामने शब फट गया महरे अ़जम माहे अ़रब
ज़ुलमते शब मिट गयी जब आप जलवागर हुए
रात थी पर दिन हुआ महरे अ़जम माहे अ़रब
तुमने मग़रिब से निकल कर एक क़ियामत की बपा
काफ़िरों पर सरवराँ महरे अ़जम माहें अ़रब
आफ़ताबे हशमी तू ग़र्ब से ताालेअ़ हो फिर
कर सवेरा नूर का महरे अ़जम माहे अ़रब
हक़ के प्यारे नूर की आँखों के तारे हो तुम्हीं
नूरे चश्मे अम्बिया महरे अ़जम माहे अ़रब
ज़ुल्फे वाला की सिफत वल्लैल है क़ुर्आन में
और रूख़ की वद्दुहा महरे अ़जम माहे अ़रब
ज़ुलमतें सब मिट गयाँ नारी से नूरी हो गया
जिसके दिल में बस गया महरे अ़जम माहे अ़रब
ज़ुलमतों पर ज़ुलमतें हैं मेरे मौला क़ब्र में
अब तो अपना मुँह दिख महरे अ़जम माहे अ़रब
महर फ़रमा महर से इसयाँ की ज़ुलमत मह़्व कर
जलवा फ़रमा हो ज़रा महरे अ़जम माहे अ़रब

Scanned with CamScanner

नूर से मअ़मूर हो जाये मिरा सीना अगर
दिल पे रख दे अपना पा महरे अ़जम माहे अ़रब
इक इशारे से क़मर के तुम नेदो दुकड़े किये
मरह़बा सद मरहबा महरे अ़जम माहे अ़रब
नूर की सरकार है तो भीक भी नूरी मिले
क़ल्बे नूरी जगमगा महरे अ़जम माहे अ़रब

जलवा है जलवा आपका

है तुम से आ़लम पुर ज़िया माहे अ़जम महने अ़रब
दे दो मिरे दिल को जिला माहे अजम महरे अरब
दोनों जहाँ में आप ही के नूर की है रौशनी
दुनिया वो उक़बा में शहा माहे अजम महरे अ़रब
कब होते यह शामो सहर कब होते यह शम्सो क़मर
जलवा न होता गर तिरा माहे अ़जम महरे अ़रब
शाम व सहर के क़ल्ब में शम्सो क़मर की आँख में
जलवा है जलवा आपका माहे अ़जम महरे अ़रब
है रूस्याह मुझ को क्या आक़ा मेरे आ़माल ने
कर दो उजाला मुँह मिरा माहे अ़जम महरे अ़रब

Scanned with CamScanner

खुर्शीदे ताबाँ भीक को आया तिरी सरकार से
है नूर से कासा भरा माहे अ़जम महरे अ़रब
खुर्शीदे के सर आप के दर की गदाई से रहा
सेहरा शहा अनवार का माहे अ़जम महरे अ़रब
कासा लैसी से तिरे दरबार की महताब भी
कैसा मुनव्वर हो गया माहे अ़जम महरे अ़रब
हैं यह ज़मीन–ो आसमाँ मंगता इसी सरकार के
है उनकी आँखों की ज़िया माहे अ़जम महरे अ़रब
यूँ भीक लेता है दो वक़्ता आसमाँ अनवार की
सुबह़ो मसा है जुब्बा सा माहे अ़जम महरे अ़रब
इस जुब्बा साई के सबब शब को इसी सरकार ने
इनाम में टीका दिया माहे अ़जम महरे अ़रब
और सुबह़ को सरकार से इसको मिला नूरी सिला
उ़मदा सा झूमर पुर ज़िया माहे अ़जम महरे अ़रब
जब तुम न थे कुछ भी न था जब तुम हुये सब कुछ हुआ
है सब में जलवा आपका माहे अ़जम महरे अ़रब
एक ज़ुलमते इसयाँ शहा उस पर अंधेरा क़ब्र का
कर दे ज़िया बद्र उद्दुजा माहे अ़जम महरे अ़रब

Scanned with CamScanner

बर तू शवद अज़ नूरे रब बाराने नूरी व रोज वो शब
होता अबद यह सिलसिला माहे अजम महरे अरब
हो मुर्शिदो पर नूरे जाँ बारिश तुम्हारे नूर की
और इन से पाये यह गदा माहे अजम महरे अरब
बेशक है आसी के लिये नारी सिला लेकिन शहा
नूरी को दो नूरी जजा माहे अजम महरे अरब

क़तआ

कफ़शे पा उनकी रखूँ सर पे तो पाऊँ इज्जत
खाके पा उनकी मलूँ मुँह में तो पाऊँ तलअत
तैबा की ठण्डी हवा आये तो पाऊँ फरहत
कल्बे बेचैन को चैन आये तो जाँ को राहत

बहारे गुलशन

उनको देखा तो गया भूल मैं गम की सूरत
याद भी अब तो नहीं रंजो अलम की सूरत
ख्वाब में देखूँ अगर दाफ़ए गम की सूरत
फिर न वाकेअ् हो कभी रंजो अलम की सूरत
आबले पाँव में पड जायें जो चलते चलते
राहे तैबा में चलूँ सर से क़दम की सूरत

Scanned with CamScanner

तुम अगर चाहो तो एक चैनो जबीं से अपनी
कर दो अअदा को कलम शाख़े कलम की सूरत
नामे वाला तिरा ऐ काश मिसाले मजनूँ
रेग पर उंगलियों से लिखूँ क़लम की सूरत
तिरा दीदार करे रहमे मुजस्सम तेरा
देखनी हो जिसे रहमाँ के करम की सूरत
आप है शाने करम काने करम जाने करम
आप हैं शाने करम काने करम जाने करम
आप हैं फ़ज़्ले अतम लूतफ़े आम की सूरत
एक इशारा तिरे अबरू का शहे हर दोसरा
काट दे दुश्मनों को तेगे दो दम की सूरत
आप का मिस्ल शहा कैसे नज़र में आये
किस ने देखी है भला अहले अदम की सूरत
मोम है उनके क़दम के लिये दिल पत्थर
का संग ने दिल में रखी उनके क़दम की सूरत
ख़्वाब में भी न नज़र आये अगर तुम चाहो
दर्दो ग़म रंजो अलम ज़ुल्मो सितम की सूरत
ऐ सहाबे करम इक बूंद करम की पड़ जाये

Scanned with CamScanner

सफ़हए दिल से मिरे महव हो ग़म की
सूरत जब से सूखे हैं मेरे किश्ते अमल बाग़े अमल
याद आती है मुझे अब्रे करम की सूरत
सफ़हए दिल से मिरे नामे नबी कुन्दा हो
नक्श हो दिल पे मिरे उन के अलम की सूरत
तेरी तसवीर खिंचे रूहे मुनव्वर क्यूँ कर
कैसे खींचे कोई मिस्बाहे जुलम की सूरत
आयें जो ख़्वाब में वह हो शबे ग़म ईद का दिन
जायें गुलशन से तो लूट जाये बहारे गुलशन
दश्त में आयें तो हो दश्त इरम की सूरत
भेड़ को ख़ौफ़ न हो शेर से जो तुम चाहो
तुम जो चाहो तो बने शेरे ग़नम की सूरत
कोह हो जायें अगर चाहो तो सोना चाँदी
संगरेज़े बनें दीनार व दिरम की सूरत
सूरते पाक वह बे मिस्ल है पाई तुमने
जिसकी सानी न अरब न अजम की सूरत
दम निकल जाये मिरा राह में उनकी नूरी
उनके कूचे रहूँ नक्शे क़दम की सूरत

Scanned with CamScanner

सल्लल्लाहु सल्लल्लाह

अअ़्ला से अअ़्ला रिफ़अ़त वाले
बाला से बाला अज़मअ वाले
सब से बरतर इज़्ज़त वाले

सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

सब से ज़ाइद हुरमत वाले
सब से बढ़कर हिम्मत वाले
सब से बरतर कुदरत वाले

सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

जाह़–ो जलाल वज़ाहत वाले
कुव्वतो सितवत सौ़लत वाले
शाने शौकत ह़शमत वोल

सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

तुम हो माहे लाहूते ख़लवत
तुम हो शाहे नासूते जलवत
तुम हो जामेअ्अत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो ज़ौहरे फ़र्दे इज़्ज़त
तुम हो जिस्म–ो जाने वज़ाहत
तुम हो ताजे रिफ़अत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो आबे ऐने रहमत
तुम हो ताबे माहे वहदत
ऐ चमकीली रंगत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो नहरे बहरे वहदत
तुम हो प्यारे मम्बए कसरत
वहदत वाले कसरत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

मालिके कुल के तुम हो नायाब
सब है तुम्हारा ह़ाज़िर ग़ायब
तुम हो शुहूदो ग़ैबत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

तुम हो सायए रब्बे इ़ज़्ज़त
तुम हो मायए ख़ल्क़ो ख़ल्क़त
दोनो जहाँ की ज़ीनत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

तुम हो स़ाह़िबे इ़ज़्ज़ो करामत
तुम हो लअ़्ले नगीने करामत
तुम हो निहायत रह़मत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

औ़ह़ा इलैकल्लाहु माऔ़ह़ा
मंय्यअ़्मलहा इल्ला अन्ता
मौला सिरे कुदरत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

चेहरा मत़लए नूरे इलाही
सीना मख़ज़ने राज़े ख़ुदाई
शरहे स़दरे स़दारत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

तुम हो हमारे हम हैं तुम्हारे
रब के प्यारे राज दुलारे
इ़ज़्ज़त वाले अ़ज़मत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

हम हैं बैठे तुमरे दुवारे
अपनी अपनी झोली पसारे
दाता प्यारे दौलत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

हर इ़ल्लत के तुम हो दाफ़ेअ़
हर मुश्किल के तुम हो राफ़ेअ़
सेहत वाले कुव्वत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

हर करतब के तुम हो दाफ़ेअ़
हर बीमारी के तुम हो नाफ़ेअ़
ऐ सरमायए राह़त वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

बन्दे अलम और बन्दे तुम्हारे
आओ आओ प्यारे प्यारे
राफत वाले रहमत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

ख़ाके क़दम की याद क़सम
यह है इ़ज़्ज़त आप के दम की
अ़र्श से अअ़्ज़म तुरबत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

स़िदरा तुम्हारा अ़र्श तुम्हारा
कुर्सी तुम्हारी फ़र्श तुम्हारा
मालिके दोज़ख़–ओ जन्नत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

रब ने तुमको सैर कराई
अपनी खुदाई तुम को दिखाई
ऐसी अच्छी बसारत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

अर्शे खुदा तक किस की रसाई
दौलते रूयत किसने पाई
ऐसी दौलतो रिफअत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

पाया तुमने रूतबए उलया
कावा कौसैने औ अदना
हक से ऐसी कुरबत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

गाइब कैसे न होता हाजिर
जब है बातिन खुद ही जाहिर
इल्मे गैबो शहादत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

तुम हो शमअ् इल्मों हिकमत
तुम हो ज़ूए नूरे हिदायत
ऐ नूरानी तलअ़त वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो बाग़े बहारो रहमत
दिल है गुनचए राज़े वहदत
भीनी भीनी निकहत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

मौजे अव्वल बहरे रहमत
जोशे आख़िर बहरे राफ़त
फ़ैज़ो जूदो सख़ावत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो वजहे बेअ्से ख़लक़त
तुम हो सिर्रे ग़ैबो शहादत
राजे वहदतो कसरत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

तुम हो फतहे बाबे नुबुव्वत
तुम से ख़त्मे दौरे रिसालत
उनकी पिछली फ़ज़ीलत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

तुम हो हक़ के वह है तुम्हारा
सब है तुम्हारा जो है उसका
हक़ से ऐसी उलफ़त वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

सरवरो आक़ा मालिको मौला
दोनो जग के तुम हो दाता
रहमत वाले राफ़त वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

सारे रसूलो से तुम बरतर
तुम सारे नबीयों के सरवर
सब से बेहतर उम्मत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

कौन हैं महबूबों में तुमसा
कोई नहीं है हाशा कल्ला
प्यारी प्यारी सूरत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

हक़्क़ा हक़ ने है तुमको किया
बेमिस्लो नज़ीरो बे हमता
अच्छी अच्छी सीरत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

दोनों जहाँ के सरवर तुम हो
दीने हक़ के रहबर तुमहो
शमअ़े बज़्मे हिदायत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

अ़र्श की ज़ीनत तुम्ही से है
फ़र्श की नुज़हत तुम्ही से है
हुस्नो जमालो लताफत वाले
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

मह को तुमने टुकड़े किया है
सूरज तुमने लौटाया है
ज़ोरे दस्ते कुदरत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

नाफ़ेअ् इल्लत दाफ़ेअ् करबत
तुम हो कहफ़े रोजे मुस़ीबत
रब से इजने शफाअत वाले
सल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

कोई नहीं है ऐसा आक़ा
पर्दा ढापे जो तिनकों का
शार्मो हया–ो ग़ैरत वाले
स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
सल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु

लिल्लाह ख़बर लो नूरी की
अच्छी स़ूरत हो नूरी की
चाँद सी अच्छी स़ूरत वाले
सल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
स़ल्लल्लाहु सल्लल्लाहु

Scanned with CamScanner

जारी रहेगा सिक्का तेरा

माहे तैबा नय्यारे बतहा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तेरे दम से आलम चमका सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तू है मज़हरे रब्बे अजमल ज़िल है तेरे सारे मुरसल
कौन है हमसर तेरा शाहा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तुम हो प्यारे अस्ल हमारी सारा जहाँ फ़रअ् तुम्हारी
तुम सबकी माहिय्यत गोया सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तुम हो आक़ा मुअ़र्रिफ़ हक़ के जलवे हो नूरे मुतलक़ के
तुम हो हुज्जते रब्बे बर अअ्दा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तू है नायबे रब्बे अकबर प्यारे हर दम तेरे दर पर
अहले हाजत का है मेला सल्लल्लाहु अलैका् वसल्लम
हक़ ने बनाया ऐसा तवंगर अकबर व औसतो आसारो सरवर
तेरे दर पर हाज़िर जुमला सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
हर शै में है तिरा जलवा तुझ से रौशन दीन व दुनिया
बाँटा तूने नूर का बाड़ा सल्लल्लाहु अलैका वसल्ललम
ईमाँ तिरी अज़मतो उलफ़त और तस्दीक़ो जज़्मे निस्बत
मोमिन वह जिसने पाया सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
बे शुब्ह है ज़ीने ताअ़ते हक़ यह कि है ऐन इबादत
हक़ के प्यारे तसव्वुर तेरा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तेरी ज़िया से आलम चमका सुब्हानल्लाह माशाअल्लाह
जलवए हक़ है जलवा तेरा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम

Scanned with CamScanner

नूरे मुजस्सम तेरे दम से नूरी सदक़े रोज हैं पाते
महरो माहो अन्जुम आरा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तू चाहे वह जो रब चाहे रब चाहे वह जो तू चाहे
चाहा तिरा रब का चाहा सल्लल्लाहु अलैका
वसल्लम जितने सलातीन पहले आये सिक्के हो गये उनके खोटे
जारी रहेगा सिक्का तेरा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
ताजे सुलताँ बन कर चमका तेरे नक़्शे पा का जलवा
तू है नूरे ज़ाते मौला सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तेरे घर का बच्चा बच्चा सारा घराना सय्यदे वाला
नूरी सूरत नूर का पुतला सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
की है अब्रे ग़म ने चढ़ाई माहे तैबा तेरी दुहाई
बद्रे दुजा हो जलवा फ़रमा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
ग़म की काली घटायें छाई रंजो अलम की बलायें छायीं
शम्से दुहा हो जलवा फ़रमा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
ख़ारे ग़म कैसा चुभता है कैसी ख़लिश है दिल दुखता है
प्यारे दिल से निकालो कांटा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
राफ़ेअ तुम हो दाफ़ेअ तुम हो नाफ़ेअ तुम हो शाफ़ेअ तुम हो
रंजो ग़म का फिर क्या खटका सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
मैं हू बेबस तू ही बस है मैं हूँ बेकस तू ही कस है
कस ले कमर और बहरे मदद आ सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
सर पर बादल काले काले दूदे इसयाँ के हैं छाले

Scanned with CamScanner

दम घुटता है मेरे मौला स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
मैं हूँ तन्हा बन है सूना दुज़्दे ईमाँ सर पर पहुँचा
मेरी ख़बर ले मेरे मौला स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
ह़ाल हमारा जैसा ज़बूँ है और वह कैसा और वह क्यूँ है
सब है तुम पर रौशन शाहा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
हर ज़र्रे पर तिरी नज़र है हर क़तरे की तुझको ख़बर है
हो इल्मे लदुन्नी के तुम दाना स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
ऐब से तुम को पाक किया है गैब का तुमको इल्म दिया है
और खुद ह़क़ भी तुम से छुपा क्या स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
तू मेरी ईमाँ को जिला दे जाने मसीह़ा दिल को जिला दे
मूर्दा है दिल मेरा आक़ा स़ल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
ह़द से बढ़ गये इस्याँ मेरे तू धो दे आबे रह़मत से
बह़रे रह़मत जोश पे आजा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
कैसी जुबाने सूख गयीं हैं प्यास से बाहर आयी हुई है
अब्रे करम देदे एक छींटा स़ल्लल्लाहु अ़लैका् वसल्लम
महरे मह़शर सर पर सरवर फूंके दे है ह़म को यकसर
महर से कर गेसू का साया स़ल्लल्लाहु अलैका् वसल्लम
मुँह तक मेरे पसीना पहुँचा डूबा डूबा डूबा
दामन में ले लीजिए आक़ा स़ल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
आदम से तो हजरत ईसा सब की खिदमत में हो आया
नफसी सब ने ही फ़रमाया स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्ल्म

Scanned with CamScanner

मेरे आका मेरे मौला.आप से सुन कर इन्नी लहा
दम में है दम मेरे आया स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
रौशन हो गया इस से सरवरे पेशे दावर शाफ़ेअ़ मह़शर
मेरे मौला तुम हो तन्हा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
वक़्ते विलादत तुम ही तन्हा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
वक़्ते विलादत तुम नहीं भूले वक़्ते रह़लत याद ही रखी
अपने बन्दे तुम ने शाहा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
आओ आओ मेरी ख़बर को वारूँ तुम पर कल्बो जिगर को
मैं भी हूँ तुम्हारा बन्दा सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
मेरी आँखों मेरे सर पर मेरे दिल पर मेरे जिगर पर
पाये अक़दस रख दो शाहा सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तेरे नक़्शे क़दम ने सरवर पत्थर मोम बनाये यकसुर
मोम बना दिल संगी मेरा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
आपका जलवा हर जुजो कुल में आप के रंगो बू हर गुल में
आपकी बू से आ़लम महका सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
कौन गया है अर्शे उला तक किस की रसाई जाते खुदा तक
तुम ने पाया अअ्ला पाया सल्लल्लाहु अलैका वसल्लम
तुम हो अव्वल तुम हो आखिर.तुम हो बातिन तुम ही जाहिर
ह़क ने बख्शे हैं यह अस्मा सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
बारका,शर्रफा मज्जदा कर्रमा नव्वरा कल्बका असरा अल्लम
रब ने तुम को क्या क्या बख्शा सल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम

Scanned with CamScanner

साहेबे दौलत तुम ही तो हो क़ासिमे नेअ़मत तुम ही तो हो
तुम हो सारे जग के दाता स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
अन्तर्राफ़ेअ़ अन्तन्नाफ़ेअ़ अन्तद्दाफ़ेअ अन्तश्शाफ़ेअ
इशफ़अ़ इन्दरब्बिल अअ़ला स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
अन्तल अव्वल अन्तल आख़िर अन्त बात़िन अन्तज़्ज़ाहिर
अन्ता समइल मौला तआ़ला स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
मनली नास़िर माली वाली ग़ैरूक़ माली फ़न्जूर हाली
वस्मअ़ क़ाली या मौलाया स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
अन्तल क़ासिम रब्बुका मोअ़ती तुम ही ने सब को नेअ़मत दी
दे दो मुझ को मेरा ह़िस्स़ा स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
अन्ता शफ़ीई अन्ता वकीली अन्ता ह़बीबी बन्ता त़बीबी
अन्ता कफ़ीली या मौलाना स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम
ह़ाज़िरे दर है नूरी मुज़तर आपका यह मोरूसी सनागर
इब्ने रज़ा है ख़्वाहाँ रज़ा का स़ल्लल्लाहु अ़लैका वसल्लम

सायए ख़ैरूल वरा मिलता नहीं

दो जहाँ में कोई तुमसा दूसरा मिलता नहीं
ढुंढते फिरते हैं महरो मह पता मिलता नहीं

है रगे गर्दन से अक़रब नफ़्स के अन्दर है वह
यूँ गले से मिल के भी है वह जुदा मिलता नहीं

आबे बह़रे इश्क़े जानाँ सीने में है मोजज़न
कौन कहता है हमें आबे बक़ा मिलता नहीं

Scanned with CamScanner

आबे तेग़े इश्क़ पीकर जिन्दए जावेद हो
गम़ न कर जो चश्म–ए–आबे बक़ा मिलता नहीं

डूबतो बहरे फ़ना में फिर बक़ा पाएगा तू
क़ब्ल अज़ बहरे फ़ना बहरे बक़ा मिलता नहीं

दुनिया है और अपना मत़लब बेग़र्ज मतलब कोई
आशना मिलता नहीं ना आशना मिलता नहीं

जर्रा–जर्रा खाक का चमका है जिस के नूर से
बे बस़ीरत है जिसे वह मह लिका मिलता नहीं

ज़र्रा–ज़र्रा से अयाँ है ऐसा ज़ाहिर होके भी
क़त़रे क़त़रे में निहाँ है बरमला मिलता नहीं

जो ख़ुदा देता है मिलता है इसी सरकार से
कुछ किसी को हक़ से इस दर के सिवा मिलता नहीं

क्या इलाक़ा दुश्मने महबूब को अल्लाह से
बे रज़ाए मुस्तफ़ा हरगिज़ ख़ुदा मिलता नहीं

कोई मांगे या न मांगे मिलने का दर है यही
बे अत़ाये मुस्तफ़ाई मुद्दआ मिलता नहीं

रहनुमाओं की सी स़ूरत राह मारी काम है
राह जन हैं कूबकू और रहनुमा मिलता नहीं

अहले गहले हैं मशाइख़ आजकल हर हर गली
बे हमा–ो बा हमा मर्दे ख़ुदा मिलता नहीं

है सफ़ाए ज़ाहिरी के साज़ व सामाँ ख़ूब ख़ूब
जिसका बातिन साफ़ हो वह बासफ़ा मिलता नहीं
बरजबाँ तस्बीह –ो दर दिल गाव ख़र का दौर है
ऐसे मिलते हैं बहुत इस से वरा मिलता नहीं
बस यही सरकार है इस से हमेशा पायेंगे
देने वाले देते हैं कुछ दिन सदा मिलता नहीं
दौरे साहिल मौज हायल पार बेड़ा कीजिए
नाव है मंझदार में और न ख़ुदा मिलता नहीं
वस्ले मौला चाहते हो तो वसीला ढुंढ लो
बे वसीला नजदियों हर्गिज़ ख़ुदा मिलता नहीं
दामने महबूब छोड़े मांगे ख़ुद अल्लाह से
ऐसे मर्दक को ख़ुदा से मुद्दआ मिलता नहीं
ज़र्रा–ज़र्रा क़तरा–क़तरा से अयाँ फिर भी निहाँ
होके शहे रग से क़रीं तर है जुदा मिलता नहीं
ताएरे जाँ की तरह दिल उड़ के जा बैठा कहाँ
मेरे पहलू में अभी था क्या हुआ मिलता नहीं
दहरयह उलझा हुआ है दहर के फ़न्दों में यूँ
सारा उलझा है और सिरा मिलता नहीं
इल्मे सानेअ़ होता है मसनूअ़ से लेकिन इसे
देख कर मस्नूअ सानेअ़ का पता मिलता नहीं

Scanned with CamScanner

नेअ्मते कौनैन देते हैं दो आलम को यही
मांग देखो उन से तुम देखो तो क्या मिलता नहीं
सब से फिर आये हैं अब शाहे वाला के हुजूर
जुज़ तुम्हारे शाफ़ेअ् रोज़े जज़ा मिलता नहीं

दर्दमन्दी के लिए आदम से ता ईसा गये
दे जो अपने दर्द की हकिमी दवा मिलता नहीं
जिन से उम्मीदे करम थी दे दिया सब ने जवाब
आज के काम आने वाला खुस्रुवा मिलता नहीं

यास का आलम है सब से आस तोडे आये हैं
जाते वाला के सिवा और आसार मिलता नहीं
जल रहे हैं फूंक रहे हैं आशिक़ाने सोख्ता
धूप है और साया–ए–ज़ुल्फे रसा मिलता नहीं

वह हैं खुर्शीदे रिसालत नूर का साया कहाँ
इस सबब से सायए ख़ैरूलवरा मिलता नहीं
दुश्मने जाँ से कहीं बदतर है दुश्मन दीन का
उनके दुश्मन से कभी उनका गदा मिलता नहीं

क़ासिमे नेअ्मत से हम मांगें तो नजदी यूँ बकें
क्यों नबी से मांगिये अल्लाह से क्या मिलता नहीं
मुस्तफ़ा माजा–अ–इल्ला रहमतुल्लिाहि आलमीं
चारा साज़े दूसरा तेरे सिवा मिलता नहीं

खुद खुदा बे वास्ता दे यह हमारा मुँह कहाँ
वास्ता सरकार हैं बे वास्ता मिलता नहीं

हम तो हम वह अम्बिया के भी लिये हैं वास्ता
उनको भी जो मिलता है बे वास्ता मिलता नहीं

अम्बिया बअज़ औलिया फ़ाएज़ है इस सरकार में
हर वली को रास्ता बे वास्ता मिलता नहीं

दोनों आ़लम पाते हैं स़दक़ा उसी सरकार का
ख़ुद ख़ुदा में पाये जो उनके सिवा मिलता नहीं

ज़न ज़मीनो ज़ोर और ज़र के हैं गाहक हर कहाँ
दिल से जो हो त़ालिबे ज़िक्रे ख़ुदा मिलाता नहीं

चारज़ा एक ज़ाल के बदले में लें चौकम रहें
यह न समझे यह इकाई सैकड़ा मिलता नहीं

दाद दुनिया कैसा उफ सुनते नहीं फरियाद भी
सुनने वाला दर्द का कोई शहा मिलता नहीं

बाप, मॉ,भाई,बहन फरज़न्दो ज़न एक एक जुदा
ग़म ज़दा हर एक है और ग़म जुदा मिलता नहीं

जो मुहिब की चीज़ है महबूब के क़ब्ज़े की है
हाथ में हो जिसके सब कुछ उस से क्या मिलता नहीं

दिल सतानी करने वाले हैं हज़ारों दिलरूबा
दिल नवाज़ी करने वाला दिलरूबा मिलता नहीं

Scanned with CamScanner

दिल गया अच्छा हुआ इसका नहीं गम गम है यह
ले गया पहलू से जो वह दिलरूबा मिलता नहीं
मुहिइए सुन्नत हामी–ए–मिल्लत मुजदिद दीन का
पैकरे रूश्दोहुआ अहमद रजा मिलता नहीं
बे नवा को बे सदा मिलता है इस सरकार से
दूध भी बेटेको माँ से बे सदा मिलता नहीं
है रियाकारों का शोहरा और रियाकारी की धूम
वह रिया–ए–फ़क़ भी अब बे रिया मिलता नहीं
किस तरह हो हाज़िरे दर नूरी–ए–बे पर शहा
बाके रोके दुश्मनों से रास्ता मिलता नहीं

मौसमे बहार आया

यह किस शहंशहे वाला की आमद है
यह कौन से शहे बाला की आमद आमद है
यह आज तारे ज़मीं की तरफ़ है क्यों माइल
यह आसमाँ से पैहम है नूर क्यों नाज़िल
यह आज क्या है ज़माने ने रंग बदला है
यह आज क्या है कि आलम का ढंग बदला है
यह आज काहे की शादी है अर्श क्यूँ झूमा
लबे जमीं को लबे आसमाँ ने क्यों चूमा
समावा डूबा हुआ और सावा ख़ुश्क हुआ
ख़िज़ाँ का दौर गया मौसमे बहार आया

Scanned with CamScanner

यह आज क्या है कि बुत आँधे हो गये सारे
यह आज क्यों हैं शयातीं बंधे हुए सारे
यह अम्बिया–ो रूसूल किस के इन्क़िसार में है
यह आज लात व हुकूल किस से इन्कार में है
यह आज बुशरा किस से इन्कार में है
यह आज बुशरा लकुम की स़दा का शोर है क्यों
यह मरह़बा की निदाओं में आज ज़ोर है क्यों
कहा जवाब में हात़िफ़ ने लो मुबारक हो
उठो ख़ुदा के ह़बीब आये मुज़दा हो तुम को
वह आये आने की जिनके ख़बर थी मुद्दत से
दुआ़ ख़लील की ईसा की जो बशारत थे
बढ़ो अदब से करो अ़र्ज़ अस्सलामु अ़लैक
व एहले बैतेका वल आले वल्लज़ीना लदय्क
सलाम तुम पे ख़ुदा का और उसकी रहमत हो
तहय्यत उकसी सना इसकी उसकी नेअ़मत हो
दुरूद आप पे हर आन भेजे रब्बे वदूद
और उसकी बर्कतों का रोज़ आप पर हो दुरूद
सलाम आप पर नाज़िल करे स़लात व सलाम
बलंद ज़िक्र करे आप का हमेशा मुदाम
यही हैं जिनको मलाएक सलाम करते हैं
इन्ही की मदहो सना सुबह व शाम करते है